माननीय राज्यपाल श्री राम नरेश यादव की अध्यक्षता में विश्वविद्यालयों की बैठक

स्थान- राजभवन दिनांक :- 5 जुलाई, 2013 समय :- 12 बजे

जैसा कि आप सब इस बात से अवगत हैं कि उत्तराखंड में अतिवृष्टि से केदारनाथ,उत्तरकाशी एवं अन्य स्थानों पर बड़ी संख्या में श्रद्धालु और पर्यटकों को भयावह प्राकृतिक आपदा का सामना करना पड़ा है। इस आपदा में हुई बड़ी संख्या में मृत्यु तथा हजारों लोगों के लापता होने की घटना ने पूरे देश को झकझोर कर रख दिया है। घटना होने से लेकर अब तक निरंतर दुष्प्रभाव के दृश्य सामने आ रहे हैं। प्राकृतिक आपदा की इस घड़ी में देशवासियों का कर्तव्य है कि उत्तराखंड के तथा अन्य राज्यों से केदारनाथ और उत्तरकाशी गये जिन लोगों की वहां मृत्यु हो गई है उनके परिजनों के दुख में सहभागी बनें और उनके दुख को कम करने की दिशा में संवेदनशील पहल करें।

मृतकों के प्रति हम सभी के दिलों में गहन दुख और संवेदना है। इसी गंभीर विषय पर आप सब के सहयोग और इस दिशा में हम सब क्या उचित कदम उठा सकते हैं इस पर विचार-विमर्श करने के लिए आज यह बैठक आयोजित की गई है। हम इस अवसर पर आपदा में घायल लोगों के जल्द स्वस्थ होने की कामना करते हैं। केदारनाथ और आसपास के क्षेत्रों में हुई जबरदस्त क्षति की जल्द से जल्द भरपाई की कामना करते हैं तथा इस प्राकृतिक आपदा में मृत लोगों और बाढ़ में फंसे लोगों को निकालने के काम में लगे सेना के जवान जो हेलिकॉपटर दुर्घटना में शहीद हुए हैं उनके प्रति शोक-संवेदना व्यक्त करते हैं। प्राकृतिक आपदा से आये इस संकट की घड़ी में मध्यप्रदेशवासी, अन्य प्रदेशवासियों एवं वहां फंसे श्रद्धालुओं की सहायता हेतु कृतसंकल्प हैं। मध्यप्रदेश सरकार ने भी इस दिशा में संतोषजनक प्रयास किये हैं।

आज यहां आप सबको आमंत्रित करने का उद्देश्य भी यही है कि हम सब उत्तराखंड के पीड़ितों के प्रति अपना दुख तथा संवेदना प्रकट कर सकें। हमारी अपेक्षा है कि केदारनाथ में पुनर्वास के कार्य तेजी से किये जायेंगे।

मैंने समाज के सभी वर्गों विशेषकर बड़े औद्योगिक तथा व्यवसायिक घरानों से उत्तराखंड की इस प्राकृतिक आपदा और संकट की घड़ी में भर पूर सहयोग और आर्थिक सहायता देने की अपील की है। उत्तराखंड में प्राकृतिक आपदा से बड़े पैमाने पर तबाही हुई है यह पूरे देशवासियों के लिए चिंता का विषय है। इसमें सबको उत्तराखंड सरकार का सहयोग करने की आवश्यकता है। वहां पुनर्वास का काम जल्द से जल्द हो और केदारनाथ तथा उत्तरकाशी में निर्माण कार्य तेजी से किये जा सकें ताकि धार्मिक परम्पराओं का पालन सुनिश्चित हो सके इसके लिए आर्थिक मदद की आवश्यकता है।

मैं इस अवसर पर आप लोगों से भी अपील करता हूं कि आप भी उत्त्राखंड प्राकृति आपदा कोष के लिए मुक्त हस्त से दान देने की व्यवस्था करें तथा अपने अधीनस्थ अधिकारियों तथा प्राचार्यों से भी आग्रह करें।